

अष्टदशी (फोल्डर नं. ५२०४९)
सम्पादक - श्री भूपराज जैन - आदि मण्डल

मुख्य टाइटल

सम्पादकीय

संयोजकीय

अनुक्रमणिका

पूर्व एवं वर्तमान कार्यकारिणी -----	१
ईतिहास कथा भूपराज जैन -----	८
Shree Jain Vidyalaya Heading Towards par Excellence B,C. kankaria -----	52
श्री जैन बुक बैंक सुभाष बच्छावत -----	५३
Down the Memory Lane Goutam Kumar Bose-----	५४
श्री जैन शिल्प शिक्षा केन्द्र के बढते चरण अशोक बच्छावत-----	५५
Shree Jain Shilpa Shiksha Kendra Geetika Bothra -----	56
धर्म सभा-धनराज अब्भाणी -----	५६
स्वाध्याय भवन (समता भवन) का निर्माण-केवलचंद कांकरिया-----	५७
शिक्षा सेवा और साधना-रिधकरण बोथरा -----	५८
शुभाशंसा-रिखबदास भंसाली-----	५९
Glorious Eight Deacades A Memorable Journey- Vinod Minni -----	59
बिना किसी भेद भाव के सेवा में अग्रणी-बच्छराज अभाणी-----	६०
गति जीवन विश्राम मौत हैं-पन्नालाल कोचर-----	६१
शुभाशंसा-फागमन अभाणी -----	६१
सेवा शिक्षा और साधना की अनवरत जलती मशाल-जयचन्दलाल मिन्नी-----	६२
शुभाशंसा-भँवरलाल दस्साणी -----	६३
महानगर की प्रथम अग्रणी जैन संस्था-पारसमल भूरट-----	६३
लोक कल्याण की यह मशाल जलती रहे-महेन्द्र कर्णावट-----	६३
शुभाशंसा-किशनलाल बोथरा-----	६३
From The Desk of Ashok Minni-Ashok Minni-----	64
हकीकत-सुरेन्द्र सुराणा सूरू -----	६४
Decades old Association With Shree Jain Vidyalaya & S.S Jain Sabha-Arun Kumar Tiwari -----	65
सेवा कार्य में अग्रणी-चांदमल अभाणी -----	६६
सभा के नित नये बढते चरण-अशोक बोथरा -----	६६
अमृत महोत्सव-मोहनलाल भंसाली-----	६७
आभार-चन्द्रप्रकाश डागा -----	६७
शुभाशंसा-पानमल मालू-----	६८
जैन सभा कोलकाता के अष्ट स्वर्णिम दशक-केशरीचन्द सेठिया-----	६९

शुभकामनार्ये-पुखराज बोथरा-----	७०
विकासोन्मुख श्री धेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा कोलकाता-धनराज बेताला-----	७०
श्री धेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा : एक बहुआयामी संस्था-जिनेन्द्रकुमार जैन-----	७१
शिक्षा सेवा और साधना के आठ दशक-बनेचन्द मालू-----	७२
Shree S. S. Jain Sabha ; A model-K.P. Verma-----	73
आपणां सूँ आपणी बाता-पुखराज बेताला-----	७४
एक प्राणवान-ऊर्जावान संस्था श्री जैन सभा-चम्पालाल डागा-----	७५
शुभाशंसा-डॉ. महेन्द्र भानावत-----	७५
सेवा का पर्याय श्री जैन सभा-रतनलाल सुराना-----	७६
शानदार आठ दशक-पानादेवी सेठिया-----	७७
असहायों के प्रति समर्पित-हिम्मतसिंह इंगरवाल-----	७८
कल्याणकारी संस्था-अबीरचन्द सेठिया-----	७९
सभा के बढ़ते कदम-अभयराज सेठिया-----	७९
शुभकामनार्ये-----	८०
विद्वत् खण्ड	
समाज विकास में समता दर्शन की भूमिका-सज्जनसिंह मेहता साथी-----	८३
लोक-लोक में मीरा की खोज-डॉ कहानी मानावत-----	८६
शिक्षा शिक्षक एवं शिक्षण-डॉ कहानी मानावत-----	८८
जैन आगमों में मूल्यात्मक शिक्षा और वर्तमान सन्दर्भ-प्रो सागरमल जैन-----	९०
महावीर का महावीरत्व-ओमकारश्री-----	९७
शिक्षा का समाज में स्थान-श्यामसुन्दर केजडीवाल-----	९९
जैनत्व हो तो अलबर्ट आइंस्टीन जैसा-ओमकारश्री-----	१००
युग की चुनौतियाँ और नारी शक्ति-प्रतिभा गेहलोत-----	१०२
अजन्मी मां की गुहार-मेघराज श्रीमाली-----	१०३
जैन गणित का गणितशास्त्र में योगदान-ऋषभकुमार मुरडिया-----	१०४
व्यसन मुक्त समाज-निर्माण की दिशा में-कन्हैयालाल भूरा-----	१०६
नारी सशक्तिकरण महज एक नारा नहीं हैं-श्रीमती रतना ओसतवाल-----	१०९
शिक्षा का वर्तमान स्वरूप-डॉ सुरेश सिसोदिया-----	१११
आदिम महाविस्फोट (बिंग बैंग)-अभयकुमार पांडे-----	११४
होम्योपैथी मानव के लिए वरदान-डॉ पारस जैन-----	११६
हिन्दुओं में जातिगत भेदभाव एवं धर्मान्तरण-किशोर जेवरिया-----	११७
जैन संस्थाओं की दशा और दिशा-नेमिचन्द सुराणा-----	११९
वर्तमान शिक्षा दशा और दिशा-नंदलाल बंसल-----	१२१
शिक्षा द्वारा राष्ट्र विकास संभव हैं-कन्हैयालाल बोथरा-----	१२४
जीवन के परिवेश में परिवर्तन और शिक्षा-सागलमल जैन बीजावत-----	१२७

नारी शक्ति के बढ़ते चरण-गायत्री कल्याण कांकरिया-----	१३०
शिक्षा दशा और दिशा-शरदचन्द्र पाठक-----	१३१
पहले हम आर्यावर्तिय फिर भारतीय फिर हिन्दुस्तानी और फिर ईंडियन-अर्जुनलाल नरेला-----	१३३
नर-लोक से किन्नर-लोक तक-जतनलाल रामपुरिया-----	१३५
शिक्षक की नैतिक जवाबदेही-डॉ कुसुम चतुर्वेदी-----	१३९
आधुनिक युग में जैन पत्रकारिता एवं उसका योगदान-प्रकाश मानव-----	१४२
भगवान का ईटरव्यू-बनेचन्द मालू-----	१४४
होम्योपैथिक चिकित्सा सर्वसुलभ व अहानिकारक हैं-डॉ. सम्पतकुमार जैन-----	१४६
पशु बनाम आदमी-बनेचन्द मालू-----	१४८
शिक्षा के सामाजिक तथा नैतिक सरोकार-हिम्मतसिंह इंगरवाल-----	१४९
सरस्वती की गोद में बसी मरु संस्कृति-जानकी नारायण श्रीमाली-----	१५०
तम्हा विणयमेसेज्जा-डॉ दलपतसिंह बया श्रेयस-----	१५२
कषाय समीक्षण-शान्तिलाल जारोली-----	१५४
भारत की प्राचीन समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा-अशोक चण्डालिया-----	१५७
शिक्षा लोक और अभिजन की तकरार-नंद चतुर्वेदी-----	१५९
पर्दा घूँघट एक विवेचन-बाबूलाल माली विषपायी-----	१६२
लोक कल्याण ही श्रेष्ठ यज्ञ-----	१६४
Then and Now-Bhavani Shankar Singh-----	168
जीवन का सफर-बनेचन्द मालू-----	१६९
एक कालजयी स्तोत्र भक्तामर स्तोत्र-विपिन जारोली-----	१७१
हिन्दी पत्रकारिता कल और आज-डॉ वसुंधरा मिश्र-----	१७४
महात्मा गांधी का शिक्षा-दर्शन-डॉ विजय कुमार-----	१७७
जैन शिक्षा-पद्धति-डॉ शारद सिंह-----	१८१
बाँका राजस्थान-डॉ ईन्दरराज बैद-----	१८५
बाहर के आकार बताते विचार-आचार्य ज्ञान मुनि-----	१८६
अष्टछाप की कविता यानी भक्ति काव्य एवं संगीत की त्रिवेणी-डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी-----	१९३
आदमी नहीं था- बनेचन्द मालू-----	१९७
कायोत्सर्ग ध्यान की पूर्णता-कन्हैयालाल लोढा-----	१९८
ओम की साधना-संकलन रिधकरण बोथरा-----	२०२
अहिंसा दिवस मनार्ये-रिखबचन्द जैन-----	२०३
आज के अशान्त युग में महावीर-वाणी की उपादेयता-दुलीचन्द जैन-----	२०७
जपयोग की विलक्षण शक्ति-उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म.-----	२११
यशस्तिलकचम्पू में ध्यान का विश्लेषण-डॉ छगनलाल शास्त्री-----	२१८
स्वाध्याय का महत्व-हेमन्तकुमार सिंगी-----	२२३
अर्द्धमागधी आगम-साहित्य में अस्तिकाय-डॉ धर्मचन्द जैन-----	२२६

धर्म का सही स्वरूप-कंचन कांकरिया-----	२३१
वर्तमान सन्दर्भ में महावीर क शिक्षाएँ-डॉ सुधा जैन-----	२३२
प्रणति समर्पित-दुर्गाप्रसाद जोशी-----	२३४
जैन धर्म में नारी-डॉ ईन्दरचन्द बैद-----	२३५
शिक्षक दिवस-सौजन्य अखण्ड ज्योति-----	२३७
सेवा-संस्कार और हमारा दायित्व-गौतम पारख-----	२३८
आधुनिक जीवन में साधना की अनिवार्यता-डॉ वसुमति डागा-----	२४१
The Value of Education-S.R. Singhvi-----	245
अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी-----	२४६
बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी श्री दीपचंद नाहटा-----	२४७
सेवा सहयोग एवं उदारता की प्रतिमूर्ति श्री श्रीचन्द नाहटा-----	२४९
कमलवत निर्लिस निस्पृह श्री पदमचन्द नाहटा-----	२५०